

**ओजोन मंडल** पुं. (अं.+तत्.) भौ. ऊपरी वायुमंडल की वह परत जहाँ ओजोन का घनत्व सर्वाधिक है, यह परत सूर्य की परा बैंगनी किरणों के कुप्रभाव से पृथ्वी की रक्षा करता है।

**ओझकना** अ.क्रि. (राज.) चोंकना, घबड़ाना, कँपकँपाना।

**ओझरी स्त्री.** (देश.) 1. उदर 2. आँत।

**ओझल वि.** (देश.) आँखों से दूर, दृष्टि से परे, अदृश्य, ओट, आड़।

**ओझा पु.** (तद्.) 1. ब्राह्मणों का एक वर्ग 2. भूत-प्रेत झाड़नेवाला, सयाना।

**ओझागिरी/ओझौती स्त्री.** (तद्.) 1. भूतबाधा को मंत्रोपचार से समाप्त करने की क्रिया 2. 'ओझा' एक प्रकार के मांत्रिक ब्राह्मण की वृत्ति।

**ओट स्त्री.** (तद्.) 1. ऐसी रोक जिससे उसके पीछे की वस्तु दिखाई न दे 2. व्यवधान 3. रुकावट, आड़ 4. परदे के लिए बनाई गई दीवार मुहा. आँखों की ओट होना- दृष्टि से छिप जाना।

**ओटन स्त्री.** (तद्.) चरखी का डंडा जिससे कपास से बिनौला अलग किया जाय।

**ओटना स.क्रि.** (तद्.) 1. कपास से बिनौले अलग करना उदा. चौबे से दूबे बने, ओटन लगे कपास। 2. किसी बात या काम को बार-बार करते जाना 3. अपने जिम्मे ले लेना।

**ओटनी स्त्री.** (तद्.) कपास से बिनौले अलग करने की चरखी।

**ओटा पुं.** (तद्.) 1. परदे के लिए बनी हुई दीवार, ओट, आड़ 2. ओटने का काम करने वाला 3. सुनारों का एक औजार।

**ओडव पुं.** (तत्.) संगी. सात स्वरों में से केवल पाँच स्वरों वाला आपस में राग।

**ओडिस वि.** (तत्.) उत्कल देश से संबंधित, उड़ीसा का उत्कलीय।

**ओडिसी स्त्री.** (तद्.) उड़ीसा प्रांत की एक शास्त्रीय नृत्यशैली।

**ओड़ पुं.** (तत्.) 1. जवाकुसुम वृक्ष, गुड़हल का वृक्ष 2. उत्कल प्रांत का रहने वाला, उड़िया 3. उत्कल प्रांत का प्राचीन नाम।

**ओड़ पुं.** (देश.) गधों पर ईंट, चूना, मिट्टी ढोने वाली एक श्रमिक जाति।

**ओड़चा पुं.** (तद्.) नीची जमीन से ऊँची जमीन में पानी उछालने की गहरी टोकरी।

**ओड़ना स.क्रि.** (तद्.) प्रहार रोकना, आघात रोकना।

**ओढ़नहार, ओढ़नहारा वि.** (तद्.) ओढ़ने वाला।

**ओढ़ना पुं.** (देश.) 1. ओढ़ने का वस्त्र स.क्रि. किसी वस्त्र आदि को बिना पहने कपड़े से बदन को ढँकना 2. अपने जिम्मे लेना, स्वीकार करना।

**ओढ़नी स्त्री.** (देश.) स्त्रियों का सिर और वक्ष पर ओढ़ने का वस्त्र, चुनरी, दुपट्टा।

**ओढ़वाना प्रे.क्रि.** (देश.) किसी से ओढ़ने का काम करवाना।

**ओढ़ाना प्रे.क्रि.** (देश.) कपड़े आदि से किसी के शरीर को ढाँकना, कपड़े से आच्छादित करना।

**ओत वि.** (देश.) सूत से बुना गया कपड़ा पुं. बुने हुए कपड़े, में लंबाई में लगा सूत जिसे ताना कहते हैं टि. बुने हुए कपड़े में लम्बा धागा 'ताना' कहलाता है और चौड़ा धागा 'बाना' कहलाता है।

**ओतप्रोत वि.** (तत्.) 1. ताने-बाने की तरह आपस में गुँथा हुआ 2. भरपूर भरा हुआ, लिपटा हुआ जिसे अलग करना असम्भव सा हो।

**ओदक पुं.** (तत्.) जलसंबंधी प्राणी, जलजंतु, जलचर।

**ओदन पुं.** (तत्.) पका हुआ चावल, भात

**ओध पुं.** (तद्.) पशु (गाय आदि) का स्तन।

**ओधना अ.क्रि.** (तद्.) 1. उलझना 2. काम में लगना 3. शुरू होना स.क्रि. 1. छेद करना, बेधना 2. अवधि निर्धारित करना।